(ख) यदि हां, तो इसके मूल्यों को नियन्त्रित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडिस) : (क) जी, हां ।

(ख) सरकार ने कपास के मूल्यों को बढ़ने से रोकने के लिए अनेक कदम उठाए है जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं :—

1. अत्यन्त आवश्यक होने पर ही कपास की विदेशों से आयात करना ।

2. गैर कपास वाले रेशे के आयात में उदारता बरती गई है । विसकोज / पोलिनासिक तथा पोलिएस्टर रेशों के आयात को लाइसेंस से मुक्त रखा गया है ।

3. कपास वस्त्र उद्योग के लिए यह कानून बना दिया गया है कि वे 1 जनवरी, 1977 से अपनी गैर कपास के रेशों को कुल खपत के कम से कम 10 प्रतिशत का उपयोग करें ।

4. उपलब्ध कपास का सभी मिलों के बीच समान वितरण करने की दृष्टि से मिलों और व्यापारियों द्वारा रखे जाने वाले स्टाकों पर प्रतिबन्ध लगा दिए गये है ।

5. दीर्घकालीन उपाय के रूप में सरकार द्वारा देश में कपास का उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं ।

Steps to check rise in prices of Stainless Steel Utensils

2046. CHOWDHRY BALBIR SINGH: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government are aware that with the adjustment of import duty on stainless steel, its prices which had come down immediately after the budget, have again gone high; and

(b) if so, the steps Government propose to take to arrest the rise in the prices of stainless steel utensils?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) No, Sir. There has been no increase in the prices of stainless steel.

(b) The question does not arise in the above context.

विमानों के लिए फालतू पुर्जे

2047. **श्री यादवेन्द्र दत्त** : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सात भिन्न-भिन्न देशों द्वारा बनाये गये तथा भारतीय वायु सेना द्वारा अनुरक्षित 25 प्रकार के विमानों के लिए फालतू पुर्जे उपलब्ध हैं और यदि नहीं, तो उसके लिए क्या प्रबन्ध किये गये हैं ; और

(ख) क्या भारतीय वायु सेना द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अर्जित किये गये विमान वर्तमान स्थिति में उपयोगी नहीं हैं और यदि हां, तो ऐसे विमानों के अनुरक्षण के क्या कारण हैं ?

रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) भारतीय वायु सेना के विमानों के लिए सामान्यत: फालतू पुर्जे उपलब्ध रहते हैं । लेकिन विमानों की कुछ ऐसी मदों को प्राप्त करने में कठिनाई होती है, जिनका उत्पादन देश में बन्द हो गया है । जब यह मालूम हो जाता है कि भारतीय वायु सेना द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले किसी विशिष्ट विमान का उत्पादन बन्द होने वाला है तो हमारे बेड़े के अनुरक्षण के लिए

आवश्यक फालतू पुर्जों का जरूरत का अनुमान लगा लिया जाता है और उत्पादन बंद होने से पहले इन्हें प्राप्त करने के प्रयास किये जाते है ।

(ख) द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान प्राप्त किये गये विमानों में से डकोटा विमान वर्तमान परिस्थितियों में भी उपयोगी है और भारतीय वायु सेना द्वारा केवल इन्हीं विमानों का उपयोग किया जा रहा है । ऐसे किसी भी विमान को नहीं रखा जा रहा है जो कि उपयोगी नहीं है । चूंकि विमानों को बदलने में बहुत अधिक खर्च अन्तर्ग्रस्त होता है इसलिए उनकी पूरी क्षमता तक हम उनका प्रयोग करते हैं ।

Amendment to Section 167 of Criminal Procedure Code

2048. DR. RAMJI SINGH: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to the recent reported judgement in Bihar Bar Council Journal Reports, 1977 (June), in which the learned lordships have held that under Section 167 Criminal Procedure Code on the point of remand there is some defect, which is for the law makers to correct the same although it will create awkward position in society; and

(b) whether Government propose to enact a special provision for *ad interim* charge-sheet on a *prima facie* evidence to remove the lacuna of Section 167 by amending Section 173?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATEL): (a) and (b). copy of the judgement has been asked for from the State Government, which is awaited.

केहलगांव घाट से काढागोला घाट के बीच चल रही एल० सी० टी० सेवा का बन्द होना

2049. **श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव :** क्या नौवहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या काढा गोला घाट पर पहले आई बाढ़ों और कटाव के परिणामस्वरूप केहलगांव घाट से काढागाला घाट के बीच चल रही एल० सी० टी० सेवा बन्द कर दी गई है ;

(ख) यदि हां, तो उक्त एल०सी० टी० सेवा कब से पुन: आरम्भ की जायेगी ;

(ग) क्या गैर-सरकारी नौका आपरेटर उक्त एल० सी० टी० सेवा के सामने दिन प्रति दिन संकट पैदा कर रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप एल० सी० टी० सेवा को हानि होती है, और

(घ) यदि हां, तो सरकार का गैर-सरकारी नौका आपरेटरों के विरुद्ध क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

नौवहन और परिवहन मंत्रालय में प्रभारी राज्य मंत्री (श्री चांद राम) : (क) और (ख). कोलगोंग और कारागोला के बीच एल० सी० टी० सेवा बन्द नहीं की गई है और नियमित रूप से चलाई जा रही है । बाढ़ के दौरान कारागोला घाट पर पहुंच मार्ग के कटाव के कारण इस सेवा में ट्रंकों का लदान कार्य बन्द किया गया है । बिहार सरकार द्वारा कारागोला घाट पर पहुंच मार्ग की मरम्मत हो जाने के बाद ट्रंकों का लदान पुन: शुरू होने की संभावना है ।

(ग) कोलगोंग और कारागोला के बीच प्राइवेट परिचालकों द्वारा कोई